

2021-22
शास्त्री परीक्षा
खण्ड- तृतीय, अधिसत्र- द्वितीय
विषय- पालि, पत्र- सप्तम

समय: ३½घण्टे

सम्पूर्णाङ्क- ७०

निर्देश: एक पंक्ति में १० शब्द तथा प्रत्येक पृष्ठ ८ पंक्तियों में लेखन अपेक्षित है।

वर्ग- क

१. चित्त के स्वरूप पर प्रकाश डालें तथा अहेतुक-चित्त का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत कीजिए। १५
अथवा
लोकोत्तर भूमि के आठ पुद्गलों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

२. अकुशल चेतसिकों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत कीजिए। १५

अथवा
चेतसिक की परिभाषा देते हुए सब्बचित्त साधारण चेतसिकों की व्याख्या कीजिए।

वर्ग- ख

३. मनोद्वारवीथि की प्रक्रिया को स्पष्ट कीजिए। १०

अथवा
निम्नलिखित गाथा की व्याख्या करें—

वीथिचित्तानि सत्तेव, चित्तुप्पादा चतुद्दस /
चतुपज्जास वित्थारा, पञ्चद्वारे यथारहं //

वर्ग- ग

४. अधोलिखित गाथाओं में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए। १०x२=२०

- क. अट्टधा लोभमूलानि, दोसमूलानि च द्विधा।
मोहमूलानि च द्वेति, द्वादसाकुसला सियुं॥
- ख. पापाहेतुकमुत्तानि, सोभनानीति वुच्चरो।
एकूनसट्टि चित्तानि, अथेकनवुतीपि वा॥
- ग. आलम्बणप्पभेदेन, चतुधारुप्पमानसं।
पुज्जपाकक्रियाभेदा, पुन द्वादसधा ठितं॥
- घ. कामे तेवीस पाकानि, पुज्जापुज्जानि वीसति।
एकादस क्रिया चेति, चतुपज्जास सब्बथा॥

वर्ग- घ

५. निम्नलिखितप्रश्नों के उत्तर एक शब्द या एक वाक्य में दीजिए। १x१०=१०

- क. पकिण्णक चेतसिक क्या है?
- ख. नीवरण से आप क्या समझते हैं?
- ग. उपेक्खा नामक ध्यानांग रूपावचर के किस ध्यान के अंतर्गत आता है?
- घ. आचार्य अनुरुद्ध के किसी एक ग्रन्थ का नाम लिखें।
- ङ. अज्जसमान चेतसिक की संख्या कितनी है?
- च. चारों भूमि में क्रिया चित्त की संख्या कितनी है?
- छ. अहेतुक चित्तों की संख्या बतलावें।
- ज. कामच्छन्द नामक धर्म किस ज्ञानांग से शान्त होता है?
- झ. लौकिक समाधि में विपाक चित्तों की संख्या बताएँ।
- ञ. 'वोट्टपन' क्या है ?
